2020 दूरदर्शिता

FIP की दूरदर्शिता, लक्ष्य और सामरिक योजना

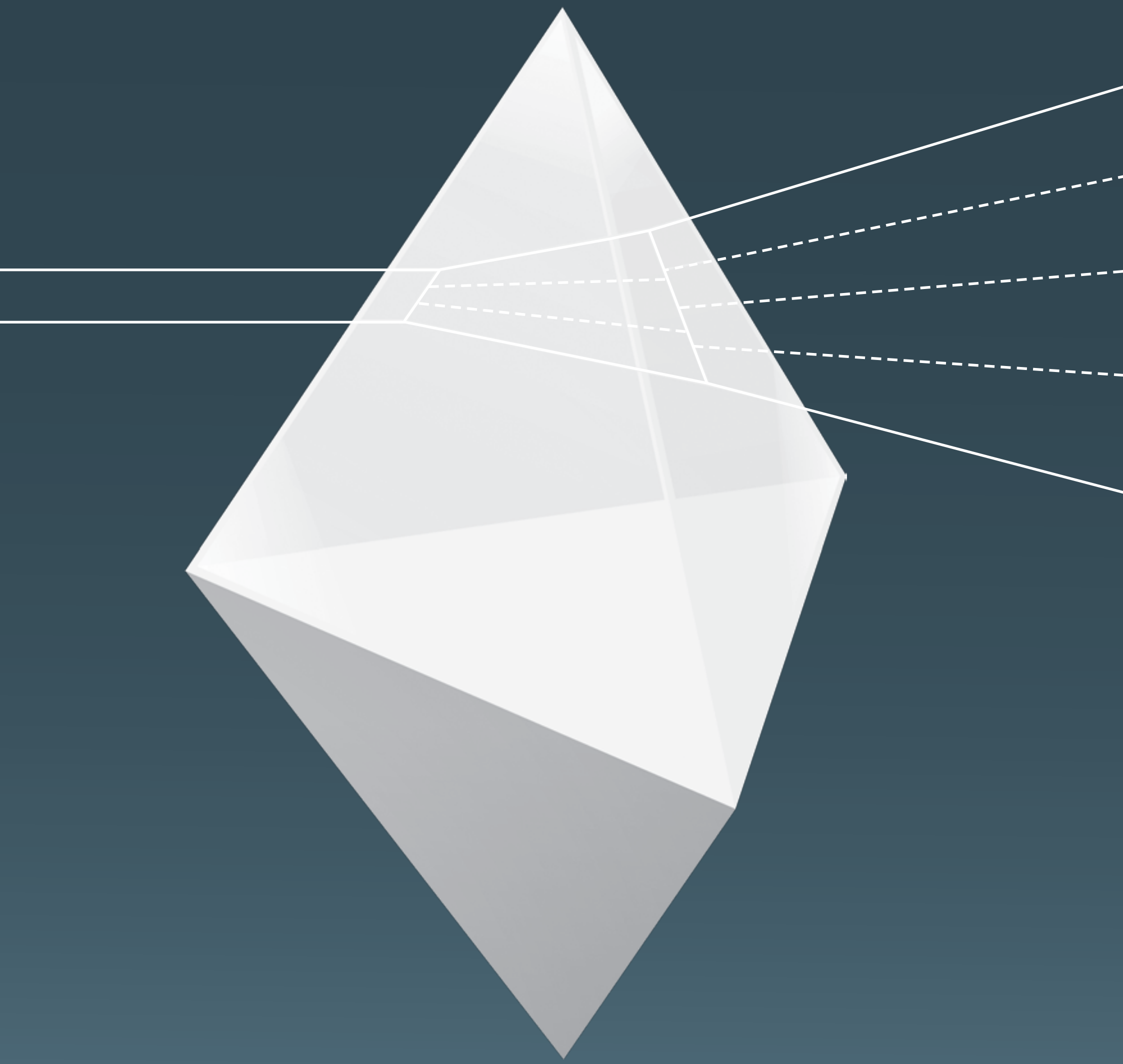

विषय सूची

भूमिका 1

स्थितिगत विश्लेषण.. 3

स्थितिगत विश्लेषण.. 4

स्थितिगत विश्लेषण के निष्कर्ष.. 5

2020 के लिए एफआईपी का स्वप्न....................................... 6

एफ आई पी का मिशन.. 7

एफ आई पी के तीन कार्यनीतिक उद्देश्य.................................... 9

एफ आई पी के चार सामरिक तरीके..................................... 10

प्रचालन के छः मूल सिद्धान्त.. 13

निष्कर्ष.. 13

भूमिका

शुरूआत

इंटरनेशनल फार्मास्यूटिकल फेडरेशन (एफआईपी) जिसकी स्थापना 1912 में की गई, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ अधिकारिक संबध रखने वाले फार्मासिस्ट एवं फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों की राष्ट्रीय एसोसिएशनों का वैश्विक परिसंघ है। 120 सदस्य संगठनों के माध्यम से, एफआईपी विश्व भर के लगभग दो मिलियन स्वास्थ्यकर्मियों एवं वैज्ञानिकों का प्रतिनिधित्व करता है और उनसे जुड़े कार्य करता है।

पिछले कुछ वर्षों से एफआईपी की प्राथमिकताओं में महत्त्व और विषय दोनों की दृष्टि से बदलाव आया है ताकि स्वास्थ्य देख-रेख संबधी सेवाओं का विस्तार करने और उभरते वैज्ञानिक परिवर्तनों को समयानुसार ढालने के लिए इस व्यवसाय की ज़रूरतों एवं उम्मीदों को पूरा किया जा सकें। 1912 मेंइसकी स्थापना के समय यह परिसघं मुख्यत: फार्मास्यूटिकल विज्ञान तक ही सीमित था। एफआईपी ने मुख्यत: फार्मास्यूटिकल विज्ञान तक ही सीमित था। एफआईपी ने मुख्यत: यूरोपीय प्रतिभागियों और नेताओं की सभाओं के ज़रिए किए गए सम्मेलनों एवं सभाओं के माध्यम से अपना मिशन पूरा किया।

क्रम-विकास

अपने लगभग 100 वर्ष के इतिहास में, एफआईपी ने वास्तविक और प्रतीकात्मक दोनों तरह का विस्तार किया है। फार्मेसी में हुए परिवर्तनों और इस व्यवसाय के आधार के तौर पर फार्मेसी के उभरने से एफआईपी, फार्मास्यूटिकल विज्ञान में अपनी बुनियाद पर कायम रहते हुए स्वास्थ्य देख-रेख मुहैया कराने में फार्मासिस्ट की भूमिका की पैरवी करने में विश्व-स्तर पर सामने आया है। इसके सम्मेलनों के अलावा, एफआईपी की सदस्यता ने विकसित होते हुए। विश्व के सर्वाधिक विस्तृत फार्मेसी एक फार्मास्यूटिकल विज्ञान नेटवर्क का रूप ले लिया है। यह नेटवर्क विश्व के कुछ अग्रण ी स्वास्थ्य देख-रेख, शैक्षिक और वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ भागीदारी करके अपनी उपस्थिति बढ़ाने और प्रभाव-क्षेत्र बढ़ाने के कार्य में लगा है।

उपलब्धियां

नई कार्यनीति संबंधी योजनाएं बनाने और उन्हें कार्यान्वित करने की प्रेरणा पिछले कई वर्षों में हासिल अनेकानेक महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को आगे और बढ़ाने की इच्छा से उत्पन्न होती है।

भागीदारियां

इनमें से सबसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है - एफआईपी एवं फार्मासिस्ट और फामास्यूटिकल विज्ञान की भूमिका दोनों के बारे में अधिक जागरूकता तथा उनकी प्रतिष्ठा। ऐसी एफआईपी द्वारा किए गए आंतरिक कार्य और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जैसे प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ परस्पर लाभकर भागीदारी करके संभव हुआ। एफआईपी क्षेत्रीय फार्मास्यूटिकल मंचों की स्थापना से एफआईपी के सदस्य संगठनों और उनके अपने देशों और क्षेत्रों में डब्ल्यूएचओ के कार्यालयों के बीच मज़बूत संबंध बनाना आसान हुआ है। इस सहयोग ने डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य देख-रेख संबंधी दायित्व में फार्मासिस्ट की भूमिका को बढ़ावा देने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, वर्ल्ड हेल्थ प्रोफेशन्ष अलायंस (डब्ल्यूएचपीए) के संस्थापक सदस्य के रूप में, एफआईपी ने ऐसे कार्यों में फार्मासिस्ट, नर्सों, फीज़िशियनों और डेन्टिस्टों को एक साथ लाने में मुख्य भूमिका निभाई है जहां प्रत्येक स्वास्थ्य व्यवसाय की परस्पर ज़रूरतों पर ध्यान दिया जाता है, साथ ही यहा मरीज़ की देख-रेख में प्रत्येक व्यवसाय द्वारा शामिल अद्‌भुत मूल्यों एवं विशिष्ट योगदान को भी महत्त्व दिया है। भविष्य को देखें, तो एफआईपी इन भागीदारियों को और मज़बूत बनाने तथा अन्य वैश्विक हितधारकों के साथ नए अवसर पैदा करने का ध्यान केन्द्रित किए हुए है।

व्यावसायिक सफलताएं

फार्मासिस्ट के दर्जे को बढ़ाने के एफआईपी के उद्देश्य को विगत के और इस समय किए जा रहे कार्यों की सफलता से बल मिला है। वर्ष 2005 में थाईलैण्ड और उरूग्वे में कार्यान्वित की गई "डब्ल्यूएचओ-एफआईपी गुड फार्मेसी प्रैक्टिस" की प्रायोगिक परियोजनाओं से न सिर्फ निर्धारित सफलता की सूचना मिली बल्कि फार्मेसी की पद्धतियों में भी में भी स्पष्ट परिवर्तन दिखाई दिए जिससे मरीज़ों की बेहतर देख-रेख संभव हुई। नकली दवाओं के विरूद्ध लड़ाई में एफआईपी का कार्य "डब्ल्यूएचओ इम्पैक्ट" के कार्य-दलों एवं सभाओं को इसके योगदान में दिखाई देता है। मल्टिसोर्स फार्मास्यूटिकल प्रॉडक्ट्स : पंजीकरण के संबंध में डब्ल्यूएचओ के दिखा-निर्देश तैयार करने में एफआईपी के योगदान को डब्ल्यूएचओ ने विधिवत् स्वीकारा है।

वैज्ञानिक सफलताएं

एफआईपी फार्मास्यूटिकल सायंस वर्ल्ड कांग्रेस के साथ कार्य करने में भी सफल रहा है। इन सम्मेलनों ने फार्मास्यूटिकल विज्ञान से जुड़ी जानकारी के आदान-प्रदान के लिए वैश्विक मंचों का कार्य किया है। फार्मेसी की पद्धति और फार्मास्यूटिकल विज्ञान की परिधि के भीतर एफआईपी की अनेक कार्रवाइयों के समानांतर विकास ने दिखा दिया है कि यह परिसंघ बिना कुछ गंवाए अपने हित की मौजूदा तरंगों के साथ बढ़ सकता है। इससे फार्मेसी-शिक्षा और स्वास्थ्य हेतु मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में एफआईपी की नई शाखाओं के खुलने की असाधारण उभरती संभावनाएं जागती हैं।

भविष्य की तैयारी

विकास के इस सिद्धान्त के साथ एफआईपी भविष्य की ओर देख रहा है: स्वास्थ्य देख-रेख की बदलती तस्वीर, इसकी व्यवस्था और फार्मासिस्ट एवं फार्मास्यूटिकल विज्ञान की भूमिका की यह मांग है कि यह परिसंघ न सिर्फ समय की रफ्तार के साथ-साथ चले बल्कि इसके सदस्यों को मज़बूत नेतृत्व भी प्रदान करे, जिससे वैश्विक स्वास्थ्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में समर्थ हो सकें।

इस कार्यनीतिक दस्तावेज़ का उद्देश्य एफआईपी के मिशन को सफल बनाने के लिए संरचना और साधनों को प्रस्तुत करना है। पहले बाह्य और आंतरिक स्थितिगत विश्लेषण पर चर्चा की गई है जिसके बाद एफआईपी के स्वप्न और उद्देश्य का वर्णन किया गया है। कार्यनीतिक उद्देश्य और दृष्टिकोण यह स्पष्ट करेंगे कि एफआईपी के स्वप्न और उद्देश्य को किस प्रकार कारगर तौर पर कार्यान्वित किया जाना है।

स्थितिगत विश्लेषण

बाह्य और व्यवसायगत

एफआईपी वैश्विक स्वास्थ्य को शासित करने वाल निर्णयों पर उल्लेखनीय प्रभाव छोड़ सके, इसके लिए वैश्विक स्वास्थ्य देख-रेख को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में जागरूकता पैदा करनी होगी। इसलिए ऐसे मौजूदा और व्यवसायगत सरोकारों की समीक्षा करने के लिए बाह्य विश्लेषण किया गया जो स्वास्थ्य देख-रेख के विकास और सुधार के लिए महत्त्व रखते हैं और आगे भी महत्त्व रखेंगे।

वैश्विक रूझान

इस दस्तावेज़ से, निम्नलिखित मुद्दों को मुख्य कारकों के रूप में निर्धारित किया गया है जिस पर एफआईपी को भावी कार्यनीतियां और परिणामी कार्रवाइयां तय करते समय अवश्य विचार करना चाहिए:

जनसंख्या

1. **जनसंख्या संबंधी कारक :** विश्व की जनसंख्या और इसकी अर्थव्यवस्था दोनों ही बढ़ते रहेंगे, लेकिन, असमान वितरण की व्यवस्था में इससे गरीबी की व्यापकता, जनसंख्या के वृद्ध होने और शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य वितरण पर प्रभाव पड़ता है।

रोग और उसके भार

2. **रोग के भार से जुड़े कारक :** रोग के भार के मुख्य कारणों में संचारी और ग़ैर-संचारी रोगों का मिला-जुला रूप शामिल है। लेकिन उच्च, निम्न और मध्य-आय के देशों में बहुत भिन्नता दिखाई देती है, जहां निम्न और मध्य आय के देशों में संचारी रोगों के कारण रोग और उनका भार बहुत अधिक रोग-ग्रस्तता तथा मृत्यु दर है और ग़ैर-संचारी रोग कारकों से भी रोग-भार अधिक है।

स्वास्थ्य प्रणालियां

3. **स्वास्थ्य प्रणाली संबंधी कारक :** यथासंभव बेहतरीन परिणामों के साथ उच्च स्तरीय स्वास्थ्य देख-रेख उपलब्ध कराने का खर्च उसकी सुलभता और सामर्थ्य विश्वभर में बढ़ती चिन्ता का विषय है। यह चुनौती स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की बढ़ती कमी के कारण और मुश्किल हो गई है जिससे विश्व भर में कारगर स्वास्थ्य देख-रेख प्रभावित हुई है।

फार्मेसी का व्यवसाय

4. **फार्मेसी व्यवसाय संबंधी कारक :** यह अनुमान लगाया जा रहा है कि जनता की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्षम फार्मासिस्ट या तो उपलब्ध नहीं हैं अथवा उनका वितरण अपर्याप्त है। ऐसा विश्वभर में फार्मासिस्ट और फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों की शिक्षा और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में भिन्नता होने की वजह से है। स्वास्थ्य देख-रेख की प्रणालियों जहां अनुभव और अनुसंधान-प्रमाणों के ज़रिए फार्मासिस्ट की महत्त्वपूर्ण भूमिका को समझा जा रहा है, वहां इनकी ज़रूरतों को देखते हुए इस समय इन प्रक्रियाओं की जांच की जा रही है।

उद्योग और नव-परिवर्तन

5. **फार्मास्यूटिकल उद्योग और नव-परिवर्तन संबंधी कारक :** माना जा रहा है कि जैसे-जैसे प्रभावकारिता, सुरक्षा और नकली दवाओं के मुद्दे ज़ोर पकड़ते जा रहे हैं, वैसे ही फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में जनता का विश्वास कम होता जा रहा है। इसके समानांतर, नव-परिवर्तनों के लिए दिए जाने वाले प्रोत्साहन सरकारी-निजी भागीदारी से अधिकाधिक सहायता के चलते बढ़ रहे हैं और विविधीकृत हो रहे हैं।

सरकारी-निजी भागीदारी

6. **सहयोग संबंधी कारक :** मौजूदा भागीदारियों को आगे बढ़ाते हुए, विभिन्न वैश्विक संगठनों, जो भावी स्वास्थ्य देख-रेख प्रणालियों को रूप-आकार देने में अधिकाधिक बड़ी भूमिका निभा रहे है, के साथ और सहयोगात्मक प्रयास करने के अवसर मौजूद हैं।

स्थितिगत विश्लेषण

आंतरिक

जुलाई 2007 में एफआईपी ने परिसघं की आंतरिक कार्य-प्रणाली का मूल्यांकन करने और किसी नतीजे पर पहुंचने के लिए एक बाहरी एजेंसी की मदद ली। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त आंतरिक स्थितिगत विश्लेषण से एफआईपी के चल रहे कार्यकलापों, परिसंघ की सेवा कर रहे तथा स्वंय सेवियों की भूमिका और सीमाओं तथा इसके असाधारण रूप से विविध सदस्यता पूल की ज़रूरतों और आकांक्षाओं का बेहतर जायज़ा लिया जा सका।

एफआईपी की आंतरिक कार्यप्रणाली की पेचीदगी को दर्शाने वाले छह प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं जिन्हें दीर्घकालिक कार्यनीतिक योजना बनाने के लिए ध्यान में रखा गया है :

विभिन्न उम्मीदें

एफआईपी में सदस्य संगठनों और व्यष्टिगत सदस्यों की विविधतापूर्ण सदस्यता है जिसमें कार्य कर रहे फार्मासिस्ट और फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिक दोनों शामिल हैं। ये विशिष्ट समूह कभी-कभी एफआईपी और उसकी सेवाओं से "विविध" उम्मीदें रखते हैं।

जटिल अभिशासन

एफआईपी की मौजूदा अभिशासन संरचना जटिल और विस्तृत दोनों है जिसके लिए विशिष्ट रवैया अपनाने की ज़रूरत होती है ताकि समय पर, कार्यकुशल और कारगर निर्णय लिए जा सकें।

नई पीढ़ी का निर्माण

एफआईपी की भावी सफलता आंशिक रूप से स्वप्नद्रष्टा और प्रतिबद्ध नेताओं की नई पीढ़ी को आकृष्ट करने एवं निर्मित करने की इसकी योग्यता पर निर्भर करेगी।

आय का क्षीण स्त्रोत

इस समय, एफआईपी की आय मुख्यत: दो स्त्रोतों (सदस्यता शुल्क और कांग्रेस की आय) से आती है।

कांग्रेस केंद्र

कांग्रेस एफआईपी के लिए मुख्य केंद्र है - अभिशासन प्रतिभागिता के लिए स्थान के रूप में और राजस्व अर्जक के रूप में सदस्य सेवा की भूमिका में।

सदस्यों के कार्यो का सम्मान

व्यष्टिगत सदस्यों को सेवाएं देने में, एफआईपी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह सदस्य संगठनों की कार्रवाई और भूमिका के साथ भूलवश "स्पर्धा" न करे।

स्थितिगत विश्लेषण के निष्कर्ष

ऊपर प्रस्तुत बाह्य और आंतरिक स्थितिगत विश्लेषण एफआईपी को भावी कार्रवाई में मार्गदर्शित करने का अमूल्य साधन हैं। इनसे निम्नलिखित मुख्य निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं

- **स्वास्थ्य देख-रेख के तंत्र का अधिकाधिक वैश्वीकरण हो रहा है;**
- **स्वास्थ्य देख-रेख का तंत्र अब अधिकाधिक मरीष पर केंद्रित हो रहा है;**
- **विकासशील और विकसित देशों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त अन्तर पर शीघ्रातिशीघ्र ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है;**
- **एफआईपी के भीतर ही, मानवीय और वित्तीय दोनों प्रकार के सीमित संसाधनों की मांग बढ़ रही है।**

दायित्व वहन करना

फार्मासिस्ट एवं फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों के वैश्विक नेटवर्क के रूप में, एफआईपी और इसके सदस्य संगठनों; का स्वाभाविक दायित्व है कि जहां भी – विश्व, क्षेत्र या स्थानीय स्तर पर – और जब भी औषधि पर चर्चा हो, वे मौजूद रहे। यह दायित्व फार्मासिस्ट और फार्मास्यूटिकन वैज्ञानिकों के लिए ज़रूरी बना देता है कि व औषधियों एवं औषधि प्रबंधन में अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को इस्तेमाल करते हुए विश्वभर में स्वास्थ्य देख-रेख की व्यवस्था पर नज़र रखें ताकि सर्वत्र स्वास्थ्य देख-रेख में सुधार लाया जा सके।

इन्हीं प्रतिबद्धताओं से एफआईपी का भविष्य का स्वप्न और इसे फलीभूत करने का मिशन उपजा है।

2020 के लिए एफआईपी का स्वप्न

जीव-विज्ञान की सदी

बीसवीं सदी जो शायद भौतिक विज्ञान की सदी थी, उसे विपरीत इक्कीसवीं सदी जीव-विज्ञान की सदी होगी, जहां लोग अपेक्षाकृत लंबा और स्वस्थ जीवन जिएंगे। 100 वर्ष से कम समय में, औसत जीवन प्रत्याशा दोगुनी हो गई है और 'जीवन की गुणवत्ता' के मुद्दों पर बहुत बल दिया जा रहा है।

अच्छे स्वास्थ्य की चाह

हितकारी, सार्थक और सन्तोष से भरपूर जीवन अच्छे शारीरिक, मानसिक और भावात्मक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए मनुष्य की बुनियादी और स्थायी चाह एफआईपी के उस स्वप्न का आधार है जो वह विश्व भर के स्वास्थ्य संबंधी पेशेवर व्यक्तियों, उनके संगठनों तथा लोगों के साथ साझा करता है।

स्वास्थ्य देख-रेख मानव-अधिकार है

उच्च स्तरीय स्वास्थ्य देख-रेख की उपलब्धता मानवाधिकार है। यह किसी के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक या भौगोलिक परिस्थितियों की अनिश्चितता पर निर्भर नहीं होना चाहिए। इस स्वप्नद को सार्थक करने के लिए, लोगों का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित करने हेतु स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवर व्यक्तियों एवं व्यवसायों के ज्ञानवान, संवेदनशील और सहयोगात्मक अनुक्रिया की जरूरत है।

इस व्यवसाय और विज्ञान के लिए उम्मीदें

फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों के लिए इस स्वप्न का अर्थ है रोग-दख़ल कार्रवाई और नियंत्रण में कारगर औषधियों एवं उपकरणों की खोज, विकास, परीक्षण, विनिर्माण और उन्हें उपलब्ध कराने के प्रति समर्पण। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र से जुड़े पेशेवर व्यक्तियों के लिए यह स्वप्न अनेक प्रकार की प्रतिक्रिया और प्रतिबद्धता से जुड़ा है: व्यावसायिक पद्धति के उच्च मापदंड स्थापित करना एवं उन पर खरा उतरना, फार्मेसी की पद्धति के अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण दायित्वों की पहचान करना एवं उन्हें निभाना, संबंध बनाना एवं कायम करना ताकि विश्व भर में औषधियों के प्रभावकारी एवं सुरक्षित प्रयोगों पर आधारित सम्पोषणीय स्तरीय स्वास्थ्य देख-रेख प्रणालियों की स्थापना सुनिश्चित की जा सके। फार्मासिस्ट के लिए, इस स्वप्न का अर्थ है - मरीज़ पर केंद्रित, औषधि-केंद्रित, सबके लिए स्वास्थ्य देख-रेख की पद्धतियों को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पण।

ये सभी पहलू विश्व के औषधि विशषज्ञों के तौर पर फार्मासिस्ट और फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों की बुनियादी प्रतिबद्धताओं और उनकी व्यावसायिक एवं नैतिक षिम्मेदारी पर और बल देते हैं कि वे अपने कौशल और ज्ञान को मरीज़ की देख-रेख और आगे मरीज़ के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल करें। इस प्रकार, एफआईपी का स्वप्न साफ और स्पष्ट है :

> जब भी और जहां भी निर्णय लेने वाले वैश्विक स्तर पर औषधियों के किसी पहलू पर चर्चा करते हैं, एफआईपी वहां मौजूद होता है।

एफ आई पी का मिशन

प्रस्तावना

औषधि-केंद्रित मरीज़-केंद्रित

पिछले पच्चीस वर्षों से, कम से कम विश्व के विकसित देशो में फार्मेसी की पद्धति अपने मूल "उत्पाद-केंद्रित" से हटकर "मरीज़-केंद्रित" होती जा रही है। अब फार्मासिस्ट मरीज़ को सीधे ही औषधियों की सुरक्षित और कारगर आपूर्ति एवं प्रासंगिक जानकारी देना सुनिश्चित करके अधिकाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, फार्मासिस्ट मरीज़ को जानकारी देने का कार्य करता है और औषधि का सेवन करने की सलाह देने वाले चिकित्सक के साथ सहयोग करता है, यह सुनिश्चित करने के लिए यह पद्धति इष्टतम चिकित्सीय लाभों के लिए उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पर आधारित हो। लेकिन, सरकारी नीति के अनेक दायरों में, फार्मेसी के व्यवसाय की भूमिका और इसके योगदान को अक्सर मान्यता नहीं दी जाती और यहां तक कि यह क्षेत्र गलतफहमी का भी शिकार है। ऐसा इसलिए है कि सरकारी नीति के क्षेत्र में अनेक लोग इस ग़लतफहमी को पाले हैं कि फार्मासिस्ट की सीमित भूमिका है जो केवल औषधीय उत्पादों के विनिर्माण एवं बिक्री से जुड़ी है। शायद यह ग़लतफहमी माहौल या परंपराओं से जुड़ी है, लेकिन जिस बात की उपेक्षा और अनदेखी की जा रही है, वह यह है कि चलने में सक्षम मरीज़ और अस्पताल में भर्ती मरीज़ की स्थितियों में मरीज़ की देख-रेख के स्तर पर "पर्दे के पीछे" क्या चल रहा हैं।

मरीज़ की देख-रेख करना

अब फार्मासिस्ट रोग की रोकथाम से लेकर चिकित्सीय मॉनीटरिंग तक, सभी सेवाओं को सीधे प्रदान करता है। फार्मासिस्ट की भूमिका में स्वास्थ्य के बारे में यथातथ्य और प्रासंगिक जानकारी देना शामिल है। आखिरकार, आधुनिक फार्मासिस्ट मरीज़ की देख-रेख की सुविधाएं प्रदान करता है। फार्मासिस्ट की भूमिका - यह सुनिश्चित करना कि मरीज़ की औषधीय चिकित्सा उपयुक्त रूप से निर्दिष्ट की गई हो, जो सबसे अधिक कारगर हो, सबसे सुरक्षित हो और सबसे सुविधाजनक हो - को अब मान्यता दी जानी चाहिए। आज के समय में फार्मासिस्ट स्वास्थ्य के क्षेत्र के अन्य पेशेवर व्यक्तियों के साथ निकट सहयोग करके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, रोगों की रोकथाम करने में और रोगों के प्रबंधन में योगदान करने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं ताकि मरीज़ उनकी औषधियों से सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त कर सकें।

वैश्विक स्तर पर पैरवी करने की भूमिका

एफआईपी फार्मासिस्ट के वैश्विक चेहरे को दुनिया के सामने लाने और उसकी आवाज़ को और बुलंद करने के लिए बहुत प्रयासरत है लेकिन फार्मास्यूटिकल व्यवसाय को विश्वभर में विख्यात और प्रतिष्ठित करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। एफआईपी की सदस्यता का आधा हिस्सा विकासशील देशों का है। ये फार्मासिस्ट सबसे बड़ा बोझ उठाते है; ऐसे अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित संसाधनों का सामना करते हुए जिनको मदद से इन्हें जनस्वास्थ्य के मुद्दों का समाधान करना है। एफआईपी को समाज में और अस्पतालों की फार्मेसियों में काम कर रहे व्यवसायियों द्वारा दी गई स्तरीय सेवाओं के महत्त्व पर बल देने की ज़रूरत है। यह ऐसा फार्मासिस्ट की उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका को अधिक मान्यता देने और सराहना करने के लिए सरकारों एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अधिक पैरवी करके कर सकता है। एफआईपी को विकासशील देशों में सहकर्मियों की मदद करने के अपने प्रयासों को बढ़ाने की भी ज़रूरत है।

एफआईपी को मरीज़ों पर और सभी चिकित्सीय ज़रूरतों के लिए सुरक्षित एवं कारगर औषधीय चिकित्सा को लेकर उनके अधिकार पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस बात से आज के मुद्दे जुड़े हैं जैसे कि नकली दवाएं, इंटरनेट फार्मेसियों की वैधता, विकासशील देशों में विनियमों का कम अनुपालन, महामारियां और विश्वमारी - एचआईवी/एड्स,

क्षयरोग, मलेरिया, एवियन-फ्लू और सार्स जो देशों की सीमाओं को नहीं जानते।

भविष्य में औषधियों को अधिक नैदानिक फार्मेसी की षरूरत होगी ताकि उनकी सुरक्षा और प्रभावकारिता को बढ़ाया जा सके। जब तक नैदानिक फार्मासिस्ट की शिक्षा का पूरा विकास नहीं किया जाता और उसे निरन्तर अद्यतन नहीं बनाया जाता, फार्मास्यूटिकल विज्ञान में हुई प्रगति, जिसके परिणामस्वरूप नई औषधियां बनेंगी, उस प्रगति के लाभ इष्टतम स्तर तक नहीं पहुंचेंगे।

एफआईपी मिशन

वैश्विक स्वास्थ्य में सुधार लाना

एफआईपी के स्वप्न और उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, एफआईपी ने कार्य और परिणाम दोनों का सृजन करने का अपना मिशन बनाया है।

एफआईपी का मिशन है - विश्वभर में उचित कम-खर्चीली, उच्च कोटि की औषधियों की बेहतर खोज, विकास, उपलब्धता और सुरक्षित प्रयोग संभव बनाने के लिए फार्मेसी की पद्धति और विज्ञान को उन्नत बनाकर वैश्विक स्वास्थ्य में सुधार लाना।

एफ आई पी के तीन कार्यनीतिक उद्देश्य

शिक्षा पर अतिरिक्त कार्यनीतिक बल

पारंपरिक रूप से, एफआईपी फार्मास्यूटिकल पद्धति और विज्ञान की सेवा करने में काफ़ी एकाग्र रहा है। लेकिन, एफआईपी के नए मिशन को पूरा करने और तेषी से बदलते माहौल पर ध्यान देने के लिए, एफआईपी को शिक्षा पर अतिरिक्त कार्यनीतिक बल देना चाहिए। यह बात एफआईपी के तीन प्रमुख कार्यनीतिक उद्देश्यों की ओर ले जाती है:

पद्धति

1. सभी स्थितियों में फार्मेसी की पद्धति का संवर्धन करना

ऐसा एफआईपी के सदस्य संगठनों के साथ लगातार काम करके और विचार-विनिमय करके स्वास्थ्य देख-रेख में इसकी भूमिका एवं मरीष के लिए इसके लाभों पर बल देकर हासिल किया जाना है। इसमें "एफआईपी बोर्ड ऑफ फार्मास्यूटिकल प्रैक्टिस मिशन एण्ड स्ट्रैटजिक प्लान" में निर्धारित कार्यनीतियों से मार्गदर्शित होना होगा।

विज्ञान

2. फार्मास्यूटिकल विज्ञान का संवर्धन करना :

ऐसा मुख्यत: वैज्ञानिक सदस्य संगठनों के साथ लगातार काम करके और विचार-विनिमय करके तथा एफआईपी बोर्ड ऑफ फार्मास्यूटिकल सायंस मिशन एण्ड स्ट्रैटजिक प्लान में निर्धारिक कार्यनीतियों से मार्गदर्शित होकर किया जाना है।

शिक्षा

3. फार्मेसी और फार्मास्यूटिकल विज्ञान की शिक्षा में सुधार लाने के लिए एफआईपी की भूमिका को बढ़ाना:

इसके लिए विज्ञान और पद्धति में शैक्षिक पाठ्यचर्या के विकास के लिए उपयुक्त फ्रेमवर्क और स्तरीय मानक तैयार करने में एफआईपी तथा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय शैक्षिक संस्थाओं को मिलकर प्रयास करना होगा।

एफ आई पी के चार सामरिक तरीके

कार्यनीतिक उद्देश्य

एफआईपी के तीन कार्यनीतिक उद्देश्य सुविचारित तरीकों के बिना पूरे नहीं किए जा सकते। निम्नलिखित चार सामरिक तरीके स्पष्ट करते हैं कि किस प्रकार एफआईपी को उपर्युक्त तीन कार्यनीतिक उद्देश्य पूरे करने चाहिए:

1. रचनात्मक भागीदारियां क़ायम करना

भागीदारियां कायम करना

एफआईपी को अपनी कारगरता बढ़ाने के लिए ऐसे अन्य संगठनों के साथ स्थायी भागीदारी कायम करनी चाहिए जिनके मूल्य और हित एफआईपी के मूल्यों और हितों के समान हों और उनमें सहायक हों। विश्व में भावी स्वास्थ्य की कारगर देख-रेख का स्तर और उपलब्धता फार्मेसी की पद्धति का स्वास्थ्य देख-रेख के साथ पूर्ण समेकन पर निर्भर करती है इसका तात्पर्य ऐसी भागीदारी से है जो फार्मेसी की पद्धति और फार्मास्यूटिकल विज्ञान को समझती हो, उनकी पैरवी करती हों एवं उन्हें अपने में सम्मिलित करती हों, और एफआईपी जिन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है, उन्हें अन्वेषित, विकसित कारगरता के लिए सबसे षरूरी बात है - स्थानीय एवं क्षेत्रीय षरूरतों के आधार पर फार्मास्यूटिकल कर्मियों और वैज्ञानिकों की व्यावसायिक शिक्षा का उच्चतम स्तर है। ऐसी शिक्षा एक व्यवसाय के तौर पर हमें ऐसी सहयोगात्मक भागीदारियों को, हमारी अपनी विशेषज्ञता, मूल्य और कार्यदक्षता, जो षरूर भी है और जो सम्मानित भी है प्रदान करने में सक्षम बनाती है। ऐसी भागीदारियां एफआईपी को महत्त्वपूर्ण सभाओं में चर्चा में भाग लेने में समर्थ बनाती हैं और इस तरह औषधि के तार्किक प्रयोग के लिए पैरवी करने का आधार व्यापक होता है। ये भागीदारियां एफआईपी को अपने मिशन और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संबंधों से लाभ उठाने का मौका देती है।

कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश

- **ऐसी भागीदारों के चयन के लिए मापदंड स्पष्ट किए जाएं जो एफआईपी के मिशन प्रमुख उद्देश्यों और प्राथमिकताओं के सर्वाधिक अनुरूप हों और उनमें सहायक हों।**
- **संभावित भागीदारों की व्यापक सूची निर्दिष्ट करें और चयन के उपयुक्त मानदंड का प्रयोग करते हुए प्रत्येक का मूल्यांकन करें।**
- **ऐसी विशेषताओं का सेट तय करें जो संभावित भागीदारों के लिए लाभकर होने के तौर पर मान्य हों।**
- **प्रमुख वर्तमान और संभावित नए भागीदारों के साथ संपर्क शुरू करने एवं बनाए रखने के लिए और एफआईपी के मिशन को पूरा करने के लिए ऐसे संबंधों में सहयोग करने के लिए विचार-विनिमय करें और अन्य कार्यनीतियां बनाएं तथा कार्यान्वित करें।**

2. वैश्विक माहौल में एफआईपी पहचान कायम करना

पहचान कायम करना

“वे हमें अवश्य जानें” इस शीर्षक के अंतर्गत एफआईपी को ऐसे संगठन के रूप में वैश्विक आधार पर अपनी पहचान बनानी चाहिए जिसका सम्मान इसकी प्रतिनिधित्व करने की क्षमता पर आधारित है और जो फार्मेसी-की पद्धति एवं फार्मास्यूटिकल विज्ञान के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है। ऐसी वैश्विक पहचान का अर्थ है कि अन्य संगठन एफआईपी एवं फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के पेशेवर व्यक्तियों - कर्मियों एवं वैज्ञानिकों को विश्व भर में स्वास्थ्य देख-रेख की व्यवस्था करने में आवश्यक और अनिवार्य समझेंगें। फार्मेसी की शिक्षा के लिए उच्चतम मानदंड विकसित और

कार्यान्वित करके, एफआईपी विश्वभर में स्वास्थ्य की देख-रेख फार्मास्यूटिकल क्षेत्र से जुड़े पेशेवर व्यक्तियों की पहचान बनाता है और उच्च स्तरीय देख-रेख मुहैया कराने के उच्चतक मानदंड स्थापित करता है। दुनिया के सामने आने से एफआईपी विश्व स्वास्थ्य नीति और स्वास्थ्य से जुड़े लक्ष्यों विशेषकर जिनमें औषधियां महत्त्व रखती हैं, को प्रभावित कर पाएगा।

कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश

- **मुख्या संदेशों का सेट तैयार करें।**
- **विचार-विमर्श की कार्यनीतियां तैयार और कार्यान्वित करें ताकि विश्व में अपने हित की परिधि में प्रमुख भागीदार के रूप में एफआईपी की उपस्थिति दर्ज हो और इसकी पहचान बने।**
- **एफआईपी की वैश्विक उपस्थिति के रूप में एफआईपी की वेबसाइट को बेहतर बनाएं।**
- **डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय कार्यालयों में और क्षेत्र में एफआईपी के सदस्य संगठनों में एफआईपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए मंचों की संकल्पना और कार्यलापों का मूल्यांकन करें।**
- **डब्ल्यूएचओ जैसे विश्वसनीय भागीदारों के साथ अंतरराष्ट्रीय समारोह आयोजित करने पर विचार करना जैसे कि नकली दवाएं (इम्पैक्ट)।**
- **एफआईपी के मिशन को पूरा करने के लिए हितधारकों का व्यापक ध्यान केंद्रित करने और समर्थन प्राप्त करने हेतु 2012 में विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित करने की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना।**
- **यह तय करें कि किस तरह अन्य तरीके - जैसेकि कांग्रेस थीम, समारोह और कार्यक्रम घटक - एफआईपी के मिशन को पूरा करने हेतु हितधारकों का व्यापक ध्यान केंद्रित करने एवं समर्थन प्राप्त करने के लिए 2012 में उत्प्रेरक या केंद्र बिन्दु के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं।**
- **यह तय करें कि 2012 में एफआईपी के शताब्दी वर्ष को किस प्रकार परिसंघ के मिशन हेतु अतिरिक्त सदस्य-समर्थन एवं अन्य प्रकार का समर्थन प्राप्त करने के लिए एक मंच के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।**

3. एफआईपी का वैश्विक मिशन पूरा करने के लिए इसका राजस्व बढ़ाना

राजस्व बढ़ाना

फार्मेसी की पद्धति और फार्मास्यूटिकल विज्ञान का संवर्धन करने तथा फार्मेसी एवं फार्मास्यूटिकल विज्ञान की शिक्षा में सुधार करने के लिए मानव और वित्तीय संसाधनों में काफ़ी बढ़ोतरी किए जाने की षरूरत है। इन उद्देश्यों को कार्यक्षेत्र, गुणवत्ता के मापदंड और समय की तात्कालिकता के संदर्भ में पूरा करने के लिए, एफआईपी को राजस्व के स्त्रोत और उनकी संख्या में वृद्धि करनी होगी जैसेकि सम्मेलन, सदस्यता, उत्पाद, सेवाएं और अन्य राजस्व अर्जक कार्यकलाप। समस्त राजस्व अर्जन हमारे सदस्यों की सेवा करने, हमारे भागीदारों के साथ संबंधों में हमारे उद्देश्यों की प्रमुखता से चालित और प्रेरित होना चाहिए और यह "निर्लाभ" संगठन के रूप में एफआईपी की पहचान पर आधारित होना चाहिए (उदाहरणार्थ डब्ल्यूएचओ के साथ हमारा संबंध)। हम अपने सदस्यों और भागीदारों के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं।

लेकिन चूंकि हमारे प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करने की भारी षरूरतें हमारे मौजूदा राजस्व से अधिक हैं, इसलिए सफलता प्राप्त करने के लिए एफआईपी के राजस्व में वृद्धि करना बहुत षरूरी है।

कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश

- विचार-विनिमय के सत्र आयोजित करके और अन्य वैश्विक संगठनों एवं अपने सदस्य संगठनों से "सर्वोत्तम पद्धतियो" का उपयोग करके व्यापक नव-परिवर्तनों की पहचान एवं मूल्यांकन करने की प्रक्रिया तैयार की जाए और कार्यान्वित की जाए।
- ऐसे तरीके ईजाअ करने के लिए विस्तृत उद्देश्यों और युक्तियों का चयन एवं उन्हें बढ़ाएं जिनसे अधिकतम प्रभावकारिता प्राप्त हो सकती हो जिनमें बेहतर व्यावसायिक योजना के षरिए सदस्यता बढ़ाना शामिल है।

4. कारगर संचार बढ़ाना

संचार नेटवर्क बढ़ाना

एफआईपी के मुख्यालयों, एफआईपी की आंतरिक संरचना (नामश: बोर्ड, मंच इत्यादि), सदस्य संगठनों, व्यष्टिगत सदस्यों और जनता के बीच एक मषबूत संचार नेटवर्क विकसित किए जाने की षरूरत है। ऐसा बुनियादी ढांख फार्मास्यूटिकल पद्धति और विज्ञान में हो रहे घटनाक्रम एवं प्रवृतियों की शीघ्र, ब्यौरेवार और समय पर जानकारी देने तथा फार्मेसी एवं फार्मास्यूटिकल शिक्षा में सुधार हेतु अत्यावश्यक है।

ज्ञान-प्रधान समाज में, नई जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु, पद्धति के व्यावसायिक मानदंडों को मषबूत बनाने हेतु और जन-सेवा के रूप में विश्वस्तरीय फार्मास्यूटिकल ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए ऐसा विश्वव्यापी, कारगर, सुलभ, विश्वसनीय और सुरक्षित संचार संबंधी बुनियादी ढांचा होना अनिवार्य शर्त है। एफआईपी के षरिए कारगर सम्प्रेषण इस पद्धति, विान और शिक्षा के महानतम आदर्शों एवं मापदंडों पर खरा उतरने के लिए विश्वभर में फार्मासिस्ट एवं फार्मास्यूटिकल वैज्ञानिकों की एक सामूहिक पहचान संभव बनाता है।

कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश

- एफआईपी के भीतर ही निम्नलिखित क्षेत्रों में लक्षित परिणाम हासिल करने के लिए एक व्यापक एफआईपी संचार-कार्यनीति बनाना और लागू करना :

क) विश्व में एफआईपी के हितों की परिधि में परिसंघ्स की समग्र पहचान और मौजूदगी बढ़ाना;

ख) यह सुनिश्चित करना कि मौजूदा और संभावित सदस्य एफआईपी की भूमिका, लाभ और उपलब्धियों को समझे;

ग) एफआईपी के कार्यकलापों और समारोहों में सदस्यों और गैर-सदस्यों की भागीदारी बढ़ाना;

घ) परिसघं में वर्धित सदस्यता को बनाए रखना;

- सूचना के कारगर प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक सदस्य संगठन के साथ प्रभावी दोतरफा संचार कार्यनीति बनाना।
- उन सदस्य संगठनों को मान्यता देने के लिए प्रोत्साहनों का सेट तैयार करना जो एफआईपी के कार्यों एवं सूचनाओं पर नियमित अनुक्रिया करते हैं।
- विश्व भर में कारगर सम्प्रेषण के लिए मूल एवं प्रभावी साधन के रूप में वेबसाइट को सुदृढ़ बनाना।

प्रचालन के छः मूल सिद्धान्त

मूल्य

एफआईपी का उद्देश्य है कि नैतिक मार्गदर्शन से और प्रचालन के निम्नलिखित छः मूल सिद्धान्तों का अक्षरशः पालन करके अपने स्वप्न, मिशन, तीन कार्यनीतिक उद्देश्यों और चार सामरिक तरीकों पर कार्रवाई करें।

व्यावसायिकता

एफआईपी में काम करने वाले कर्मचारी और अधिकारी परिसंघ का कार्य इस तरह से करेंगे जो फार्मेसी की पद्धति और फार्मास्यूटिकल विज्ञान के क्षेत्र के भीतर अपेक्षित व्यावसायिकता के मानदंडों का उदाहरण हो।

किफ़ायत

एफआईपी यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि एफआईपी द्वारा जुटाए गए वित्तीय संसाधनों का उपयोग बहुत कार्यक्षम और कारगर तरीके से किया जाए।

रचनात्मकता

एफआईपी के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को इस तरीके से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें अनेक विचार-प्रक्रियाएं, संभावनाएं और विकल्प शामिल हों।

उत्साह

एफआईपी के लिए कार्य करने वाले एवं उसे बढ़ावा देने वाले उत्साहपूर्ण और समर्पित प्रयास करेंगे ताकि परियोजनाओं एवं कार्रवाइयों का सफल समापन हो सके।

पारदर्शिता

एफआईपी इस तरीके से कार्य करेगा जो आंतरिक एवं बाहरी संवीक्षा के लिए खुला और सुलभ हो।

लोचशीलता

विश्वभर में स्वास्थ्य, स्वास्थ्य की देख-रेख की सेवाओं और मरीषों की उम्मीदों में हो रहे निरंतर परिवर्तनों को देखते हुए, एफआईपी इस तरह से कार्य करेगा जो आज की एवं भविष्य की मांगों और चुनौतियों के प्रति अनुक्रियाशील हो।

निष्कर्ष

एफआईपी के स्वप्न का प्रकाश एफआईपी के मिशन के विविध रंगों में प्रतिबिंबित होता है। यह मिशन, आगे चलकर एफआईपी के तीन कार्यनीतिक उद्देश्यों और एफआईपी के चार सामरिक तरीकों के षरिए उनकी पूर्णता में व्यक्त होता है।

इन कार्यनीतिक उद्देश्यों और सामरिक तरीकों के साथ-साथ सक्रिय संगठन और समर्पित सदस्य संगठनों द्वारा समर्थित अभिशासन की मददसे एफआईपी अपना "स्वप्न 2020" साकार करेगा।